Literacy for a Billion

Movie: Dil Se
Year: 1998

Song: Jiya Jale Jaan Jale
Lyricist: Gulzar

जिया जले जाँ जले
जिया जले जाँ जले
नैनों तले
धुँआ चले
धुँआ चले
जिया जले जाँ जले
नैनों तले
धुँआ चले
धुँआ चले
रात भर
धुँआ चले
जानूँ ना जानूँ ना
जानूँ ना सखी री
जिया जले जाँ जले
नैनों तले
धुँआ चले
धुँआ चले
रात भर
धुँआ चले
जानूँ न जानूँ न
जानूँ ना सखी री
जिया जले जाँ जले
देखते हैं तन मेरा
मन में चुभती है नज़र
देखते हैं तन मेरा
मन में चुभती है नज़र
होंठ सिल जाते उनके

नर्म होंठों से मगर
गिनती रहती हूँ मैं अपनी
करवटों के सिलसिले
क्या करूँ कैसे कहूँ
रात कब कैसे ढले
जिया जले जाँ जले
नैनों तले
धुँआ चले
धुँआ चले
रात भर
धुँआ चले
जानूँ न जानूँ न
जानूँ ना सखी री
जिया जले जाँ जले

अंग अंग में जलती हैं
दर्द की चिंगारियाँ
मसले फूलों की महक में
तितलियों की क्यारियाँ
रात भर बेचारी मेहँदी
पिसती है पैरों तले
क्या करूँ कैसे कहूँ
रात कब कैसे ढले
जिया जले जाँ जले
नैनों तले
धुँआ चले
धुँआ चले

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.